

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 25 August 2026

गाजा मे इस्त्राएली हमलों की तैयारी तेज़, नेतन्याहू ने दी शहर छोड़ने की चेतावनी

Publisher

Published on 09 Sep 2025



मध्यपूर्व में एक बार फिर हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। गाजा पट्टी पर इस्त्राएल के हमले लगातार तेज़ हो रहे हैं और अब गाजा सिटी पर कब्जे की संभावना जताई जा रही है। इस्त्राएली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी जारी करते हुए स्थानीय नागरिकों से शहर खाली करने को कहा है।

इस चेतावनी के बाद गाजा में भय और अनिश्चितता का माहौल और गहरा गया है। लोग सुरक्षित स्थानों की तलाश में पलायन कर रहे हैं, लेकिन सीमित संसाधनों और लगातार हो रहे हमलों के बीच आम नागरिकों के लिए हालात बेहद कठिन हैं।

गाजा पर इस्त्राएली वायुसेना और आर्टिलरी ने बीते 48 घंटों में हमले तेज़ कर दिए हैं। सैन्य सूत्रों का कहना है कि इन हमलों का मकसद हमस और अन्य उग्रवादी गुटों को कमजोर करना है। गाजा सिटी में कई इमारतें, सड़कें और बुनियादी ढांचा नष्ट हो चुके हैं। हजारों लोग बेघर हो चुके हैं और अस्पतालों पर भारी दबाव है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस्त्राएली सेना गाजा सिटी को चारों ओर से घेरने की रणनीति बना रही है, जिससे आने वाले दिनों में जमीनी कार्रवाई की संभावना और बढ़ गई है।

इस्त्राएली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा:

“हम गाजा सिटी में आतंकवादी संगठनों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने जा रहे हैं। नागरिकों से अनुरोध है कि वे तुरंत शहर छोड़ दें ताकि वे सुरक्षित रह सकें।” उनकी यह चेतावनी साफ संकेत देती है कि इस्त्राएल गाजा में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई की तैयारी कर रहा है।

गाजा पट्टी में पहले से ही हालात बेहद गंभीर हैं। बिजली और पानी की भारी कमी है। हजारों परिवार विस्थापित हो चुके हैं और अस्थायी शिविरों में शरण ले रहे हैं। दवाइयों और खाने-पीने की वस्तुओं की भारी किल्लत हो रही है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य मानवीय संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि हालात ऐसे ही बने रहे तो गाजा एक बड़े मानवीय संकट का केंद्र बन सकता है।

गाजा पर बढ़ते हमलों और नेतन्याहू की चेतावनी ने वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने दोनों पक्षों से संयम बरतने और तुरंत युद्धविराम की अपील की है। अमेरिका, यूरोपीय संघ और कई अरब देशों ने भी मानवीय सहायता पहुंचाने पर जोर दिया है। मिस्र और कतर जैसे देश मध्यस्थता की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह संघर्ष और बढ़ता है तो पूरा मध्यपूर्व अस्थिर हो सकता है।

गाजा सिटी और उसके आसपास रहने वाले फिलिस्तीनी नागरिक लगातार दहशत और असुरक्षा में जी रहे हैं। घर छोड़ने को मजबूर परिवारों के पास सुरक्षित ठिकाने नहीं हैं। महिलाएं और बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्हें न तो सुरक्षित मार्ग मिल रहा है और न ही पर्याप्त सहायता। सोशल मीडिया पर गाजा से आ रही तस्वीरें और वीडियो दुनिया भर में लोगों को विचलित कर रहे हैं।

इस्राएल का दावा है कि गाजा से हमला लगातार रॉकेट हमले कर रहा है, जिससे उसके नागरिक असुरक्षित हैं। पिछले कुछ दिनों में दर्जनों रॉकेट दागे गए हैं। इस्राएल की “आयरन डोम” रक्षा प्रणाली ने कई हमलों को विफल किया, लेकिन कुछ क्षेत्रों में नुकसान हुआ है। इस्राएल की सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि जब तक गाजा में उग्रवादी संगठनों को खत्म नहीं किया जाता, तब तक उसके नागरिक सुरक्षित नहीं हो सकते।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि इस्राएल ने गाजा सिटी पर जमीनी हमला शुरू किया, तो यह संघर्ष लंबे समय तक चल सकता है। इससे मानवीय संकट और गहराएगा। अंतरराष्ट्रीय दबाव भी बढ़ेगा। पूरे क्षेत्र में अस्थिरता फैल सकती है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि कूटनीतिक दबाव के चलते इस्राएल अपनी कार्रवाई सीमित भी कर सकता है।

गाजा में इस्राएली हमलों और नेतन्याहू की चेतावनी ने पूरे क्षेत्र में तनाव और भय को और गहरा कर दिया है। गाजा सिटी पर कब्जे की संभावना ने लोगों के बीच असुरक्षा की भावना को और बढ़ा दिया है।

अब सबकी निगाहें इस पर टिकी हैं कि क्या अंतरराष्ट्रीय समुदाय शांति बहाल करने में सफल होगा, या फिर यह संघर्ष आने वाले दिनों में और खतरनाक रूप लेगा। फिलहाल इतना साफ है कि गाजा और इस्राएल के बीच यह टकराव केवल सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि यह मानवीय त्रासदी में तब्दील हो चुका है, जिसका असर पूरे विश्व पर पड़ सकता है।